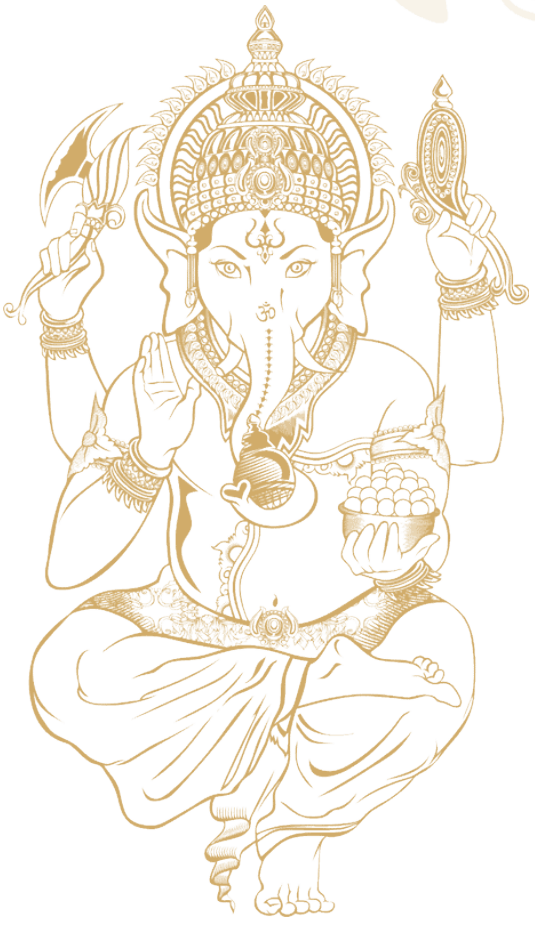

Shivani

05 Jul 1997

07:04 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120998304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/07/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:04:00 घंटे**
इष्ट	03:58:54 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:42:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:32 घंटे
साम्पातिक काल	01:35:14 घंटे
सूर्योदय	05:28:26 घंटे
सूर्यास्त	19:22:43 घंटे
दिनमान	13:54:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:15:38 मिथुन
लग्न के अंश	08:53:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:53:36	306:52:44	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	19:15:38	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	सम राशि
चंद्र			मिथु	22:36:35	12:33:46	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			कन्या	13:32:18	00:30:01	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	कर्क	00:00:22	02:00:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	27:08:20	00:04:35	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कर्क	13:49:04	01:12:49	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि			मीन	25:53:30	00:02:46	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	28:21:55	00:11:13	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	28:21:55	00:11:13	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:49:22	00:02:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	05:10:43	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:24:25	00:01:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	01:51:41	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:19

लग्न-चलित

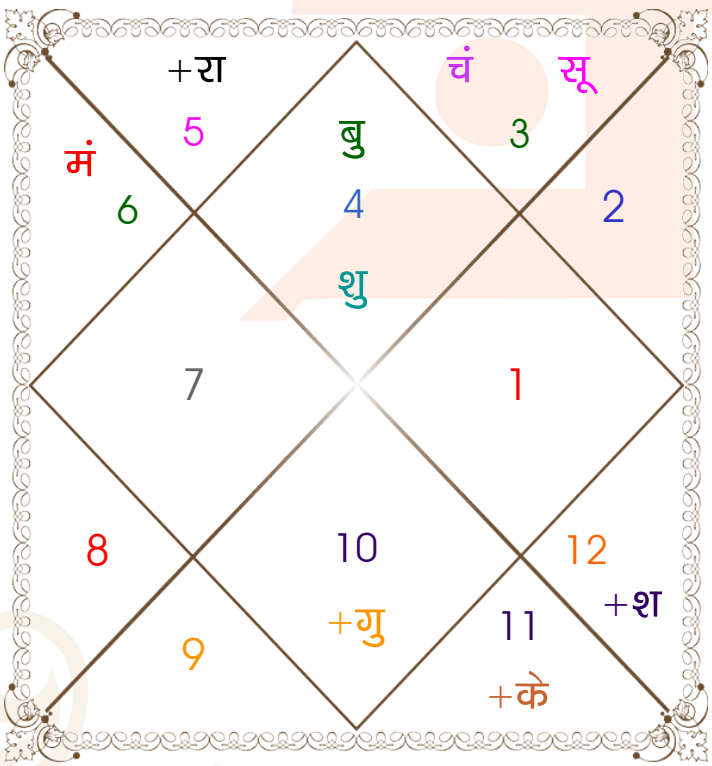

चन्द्र कुंडली

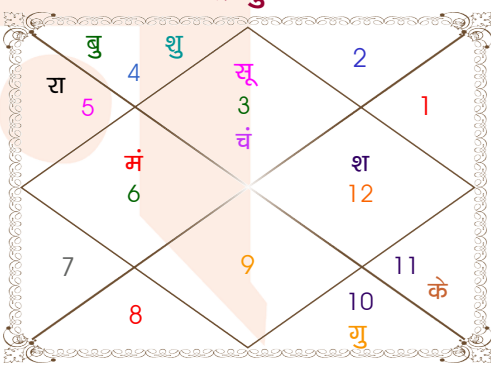

नवमांश कुंडली

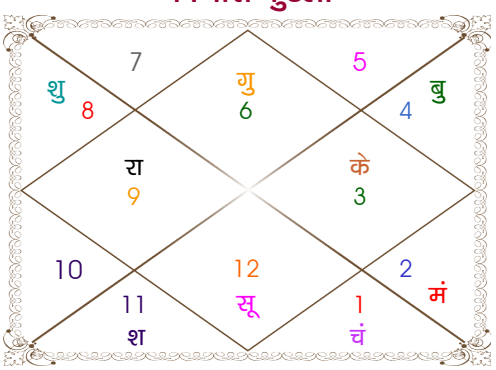

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 10 मास 12 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/07/1997		18/05/2010		18/05/2029		18/05/2046		18/05/2053	
18/05/2010		18/05/2029		18/05/2046		18/05/2053		18/05/2073	
	05/07/1997	शनि	21/05/2013	बुध	14/10/2031	केतु	14/10/2046	शुक्र	16/09/2056
शनि	16/01/1999	बुध	29/01/2016	केतु	11/10/2032	शुक्र	14/12/2047	सूर्य	16/09/2057
बुध	23/04/2001	केतु	09/03/2017	शुक्र	11/08/2035	सूर्य	20/04/2048	चंद्र	18/05/2059
केतु	30/03/2002	शुक्र	08/05/2020	सूर्य	17/06/2036	चंद्र	19/11/2048	मंगल	17/07/2060
शुक्र	28/11/2004	सूर्य	20/04/2021	चंद्र	16/11/2037	मंगल	17/04/2049	राहु	18/07/2063
सूर्य	16/09/2005	चंद्र	20/11/2022	मंगल	14/11/2038	राहु	06/05/2050	गुरु	18/03/2066
चंद्र	16/01/2007	मंगल	29/12/2023	राहु	02/06/2041	गुरु	12/04/2051	शनि	18/05/2069
मंगल	23/12/2007	राहु	04/11/2026	गुरु	08/09/2043	शनि	21/05/2052	बुध	18/03/2072
राहु	18/05/2010	गुरु	18/05/2029	शनि	18/05/2046	बुध	18/05/2053	केतु	18/05/2073

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/05/2073		18/05/2079		18/05/2089		17/05/2096		19/05/2114	
18/05/2079		18/05/2089		17/05/2096		19/05/2114		00/00/0000	
सूर्य	04/09/2073	चंद्र	18/03/2080	मंगल	14/10/2089	राहु	29/01/2099	गुरु	06/07/2116
चंद्र	06/03/2074	मंगल	17/10/2080	राहु	01/11/2090	गुरु	24/06/2101	शनि	06/07/2117
मंगल	12/07/2074	राहु	18/04/2082	गुरु	08/10/2091	शनि	30/04/2104		00/00/0000
राहु	05/06/2075	गुरु	18/08/2083	शनि	16/11/2092	बुध	18/11/2106		00/00/0000
गुरु	24/03/2076	शनि	18/03/2085	बुध	13/11/2093	केतु	06/12/2107		00/00/0000
शनि	06/03/2077	बुध	17/08/2086	केतु	11/04/2094	शुक्र	06/12/2110		00/00/0000
बुध	10/01/2078	केतु	18/03/2087	शुक्र	12/06/2095	सूर्य	31/10/2111		00/00/0000
केतु	18/05/2078	शुक्र	16/11/2088	सूर्य	17/10/2095	चंद्र	30/04/2113		00/00/0000
शुक्र	18/05/2079	सूर्य	18/05/2089	चंद्र	17/05/2096	मंगल	19/05/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।